जम्मू संस्कृति स्कूल ,जम्मू
कार्यपत्रिका -अगस्त माह के लिए

सत्र (2024 -25)

साहित्य पाठ – सूरदास- बाल वर्णन

नाम :
विषय-हिन्दी

कक्षा – आठवीं

प्रश्न १ निम्नलिखित पद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

मैया मोहि दाऊ बहुत खिझायौ।

मोसौं कहत मोल कौ लीन्हौ, तू जसुमति कब जायौ?

कहा करौं इहि रिस के मारैं खेलन हौं नहिं जात।

पुनि-पुनि कहत कौन है माता को है तेरौ तात॥

गोरे नंद जसोदा गोरी, तू कत स्यामल गात।

चुटुकी दै-दै ग्वाल नवावत, हँसत, सबै मुसुकात॥
क) पद्यांश में कौन किससे बात कर रहा है ?

ख) पद्यांश में किसे खरीदने की बात कही गई है ?

ग) दाऊ श्री कृष्ण से क्या पूछ रहे है ?

घ) श्रीकृष्ण बाहर खेलने क्यों नहीं जाते ?

ड) सभी ग्वाल-बाल क्या कर रहे है ?

प्रश्न २ श्री कृष्ण माखन न खाने की बात पर अनेक तर्क देते हैं | क्या आप से साथ भी कोई ऐसी घटना घटी है , जिसके के लिए आप को भी बहुत सारे तर्क अपनी माता जी को देने पड़े हों | वह घटना तथा तर्क अपने शब्दों में

उदाहरण सहित लिखें ?

प्रश्न ३ माखन खाने की बात से नाराज़ माँ का ध्यान आकर्षित करने के लिए श्रीकृष्ण क्या-क्या बातें कहते है ?

प्रश्न ४. आशय स्पष्ट कीजिए।

तू मोही को मारन सीखी , दाउहि कबहुँ न खीझै ।

मोहन मुख रिस की ये बातैं , जसुमति सुनि-सुनि रीझै ।।

प्रश्न ५. उचित विकल्प का चयन कीजिए।

一. **कथन** – बचपन की कुछ घटनाएँ जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ जाती हैं।

二. **कारण** -- बचपन में हमाता हर अनुभव नया और पहला होता है ।

i.कथन सही है पर कारण उसकी सही व्याख्या नहीं करता

ii.'कथन' और 'कारण' दोनो सही हैं ।

iii. 'कथन' और 'कारण' में कोई संबंध नहीं है ।

iv. 'कथन' गलत है , लेकिन 'कारण' सही है ।